ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
ISSN No.: 2347-2944, RNI:UPBIL04292,REG.No.:561/2013-14 Vol.-I, No.-1, YEAR 2014

Contents

Page No.

- **Girl Child Trafficking and Social Work Intervention** 01-07
  -Dr. Banshi Dhar Pandey
- **Problems of Ageing and Social Work Intervention** 08-14
  -Dr. Nimisha Gupta
- **Analysis of Gaseous and Particulate Air Pollutants Emitted From The Stack of Coal Fired Thermal Power Plant, Rihandnagar, Sonebhadra, Uttar Pradesh, India** 15-18
  -Rajnish Kumar Sharma
- **यज्ञ एवं स्वास्थ्य संरक्षण** 19-26
  – डॉ0 मिताली देव
- **ग्रामीण शक्ति संरचना में कमजोर वर्गों की सहभागिता : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन** 27-36
  – डॉ. ब्रजेश कुमार सिंह
- **महाविद्यालयी छात्रों की राजनीतिक सहभागिता: उत्तराखण्ड सीमान्त जनपद चमोली के महाविद्यालयी छात्रों का एक अध्ययन** 37-44
  – डॉ. जगमोहन सिंह नेगी
- **आर्थिक आत्मनिर्भरता के परिप्रेक्ष्य में स्वयं सहायता समूह का सामाजिक अध्ययन** 45-48
  – डॉ. राजेश त्रिपाठी
- **बैराठ: विराठ नगर : अन्वेषण** 49-51
  – डॉ0 प्रमिला सिंह
- **पर्यावरण प्रदूषण एवं मानव स्वास्थ्य पर प्रभाव: "ऊपरी एवं मध्यवर्ती गंगा के मैदानी प्रदेश का एक प्रतीकात्मक अध्ययन"** 52-55
  – डॉ0 अकालू प्रसाद चौरसिया
- **भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति के विविध आयाम** (16वीं लोक सभा का चुनावी विश्लेषण) 56-62
  – डॉ0 ममता मणि त्रिपाठी
- **भूमण्डलीकरण का सामाजिक प्रभावें** 63-67
  – डॉ0 जान्ह्वी प्रसाद
  – डॉ ऋषिकेश नारायण सिंह
- **परम्परागत लोक कलाओं का व्यापार** 68-69
  – डॉ. गुलाब धर
- **महिला सशक्तिकरण : उच्च शिक्षा में अवरोधक तत्व एवं विकासशील भूमिका** 70-73
  – डॉ0 राजीव कुमार श्रीवास्तव
  – अर्चना श्रीवास्तव
- **लिंगानुपात विषमता एवं घटती आधी आबादी** 74-77
  – डॉ0 श्रीमती भावना
- **पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका** 78-81
  – डॉ0 हर्ष कुमार श्रीवास्तव
- **अनुसूचित जातियों की सामाजिक गतिशीलता का समाजशास्त्रीय आधार** 82-85
  – डॉ0 आनन्द कुमार सिंह

- **आचार्य रामानुज की शैक्षिक–दार्शनिक विचारधारा** **86-89**
  – डॉ0 सन्तोष कुमार पाण्डेय
- **बाल व्यक्तित्व : अवरोधक तत्व एवं विशेषताएँ** **90-94**
  – अन्जू पाण्डेय
- **भारतीय परिवार की क्रमिक यात्रा (संयुक्तता से विघटन तक)** **95-97**
  – डॉ0 अनीता सिंह
- **ब्राह्मणग्रन्थ युगीन शिक्षा की वर्तमान में प्रासंगिकता** **98-101**
  – डॉ0 समीर कुमार पाण्डेय
- **स्वतन्त्रता के पश्चात् भारत में शैक्षिक विकास** **102-104**
  – डॉ0 राजकुमार सिंह
- **उच्च शिक्षा में विकलांगों के लिये सुविधायें एवं अवसर** **105-108**
  – डॉ0 रजनीश कुमार सिंह
  – सर्वेश कुमार
- **भारतीय कृषितंत्र एवं अर्थतंत्र** (जनपद बलिया, विकास खण्ड सोहॉव के बैरिया ग्राम के सन्दर्भ में) **109-114**
  – डॉ0 भोलेन्द्र प्रताप सिंह
  – डॉ0 विनोद कुमार
- **भारत की समसामयिक उपलब्धियाँ एवं चुनौतियाँ** (एक समीक्षात्मक अध्ययन) **115-118**
  – डॉ0 अशोक कुमार सिंह
- **मानवाधिकार के समक्ष वर्तमान सामाजिक चुनौतियाँ** **119-123**
  – डॉ0 अनिल कुमार पाण्डेय
- **प्राचीन भारतीय धार्मिक परिप्रेक्ष्य में हिन्दू, बौद्ध एवं जैन सम्प्रदाय** **124-126**
  – संजय कुमार सिंह
- **जनपद–बलिया में ग्रामीण निर्धनता का क्षेत्रीय वितरण प्रतिरूप** **127-131**
  – डॉ0 संजीव कुमार चौबे
  – डॉ0 भोलेन्द्र प्रताप सिंह
- **भारतीय समाज पर वैश्वीकरण का प्रभाव** (मध्यकालीन सांस्कृतिक संक्रमण के परिप्रेक्ष्य में) **132-133**
  – डॉ0 अमित कुमार सिंह
- **वैश्वीकरण का भारतीय उद्योगों पर प्रभाव** **134-135**
  – डॉ0 अंगद प्रसाद गुप्ता
- **जनपद गाजीपुर (उ0प्र0) में भूमि उपयोग प्रारूप में परिवर्तन** **136-141**
  – बब्बन कुमार
  – डॉ0 संजीव कुमार चौबे
- **समाज में नारी की दोहरी भूमिका** (एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण) **142-144**
  – डॉ0 भावना विमल पाण्डेय
- **वैश्वीकरण और भारत** **145-147**
  – डॉ0 रूदल कुमार सिंह
- **डॉ0 अम्बेडकर का आर्थिक चिन्तन** **148-150**
  – डॉ0 अतुल कुमार यादव
- **अनुसूचित जातीय ग्रामीण अभिजन– व्यवसायिक गतिशीलता एवं महत्वाकांक्षायें : एक अध्ययन** (उ0प्र0: फिरोजाबाद जिले के विशेष संदर्भ में) **151-157**
  – डॉ0 अतुल कुमार यादव
- **To study various Psychological Factors Responsible for Indian Ans Maintenance Of Alcohal Consumption** **158-162**
  -DR. (Smt.) Shakti Singh
- **समकालीन हिंदी कविता के आईने में 21वीं सदी का चेहरा** **163-165**
  – डॉ0 अखण्ड प्रताप सिंह
- **स्वामी दयानन्द के राजनीतिक चिन्तन** **166-172**
  – दयाशंकर सिंह यादव

- साहित्य साधक भगवती प्रसाद सिंह 173-178
  – डॉ0 चारूशीला सिंह
- अमृतलाल नागर के कथा साहित्य में लखनऊ आहर 179-183
  – डॉ0 बलराम गुप्ता (संकर्षण प्रजापति)
- सतना रेलवें मे कार्यरत रेलवे कर्मचारियों की समस्याए एवं सुझाव 184-188
  – डॉ0 प्रज्ञा त्रिवेदी
- महिला सशक्तिकरण एवं नारीवाद 189-192
  – डॉ0 अरुण पाण्डेय
- गोदान– एक पुनर्पाठ 193-197
  – डॉ0 ऊषा तिवारी
- स्वतन्त्र भारत में प्रथम से आठवीं पंचवर्षीय योजना तक महिलाओं की सामाजिक स्थिति 198-203
  – डॉ0 संजय सिंह
- OBSCENITY AND RELIGION: A CRITICAL APPRAISAL 204-208
  – DR. Abu sufyan
- IMPACT OF INTERNATIONAL TRADE ON ENVIRONMENTAL SCENARIO 209-218
  – DR. SANJAY KUMAR
- The Castes of Inferior Cultivators in Awadh 219-223
  – DR. Nisha Rathore
- Human Rights of Child Labour : A Socio-Legal Study 224-226
  – DR. Abu sufyan
- A Case Study on issues of inter - state migrant labourers in India 227-232
  – Anjali Choudhary
- ROLE OF ENVIRONMENTAL CALAMITIES IN MIGRATION OF RURAL POPULATION 233-241
  – Anjali Choudhary
- A Study on the Linear Algebra & Matrix in Mathematics 242-245
  – Arun Kumar Ojha
- IMPORTANCE of MATHEMATICS IN OUR LIFE 246-249
  – Arun Kumar Ojha
- प्राचीन भारतीय इतिहास से वर्तमान तक भारतीय महिलाओं की स्थिति 250-251
  – डॉ0 मीरा पाल
- स्वतंत्र भारत में महिला सशक्तिकरण का समाजशास्त्रीय विश्लेषण 252-254
  – डॉ. ऋतु दीक्षित
- आर्ष काव्य में हास्य 255-257
  – डा0 निहारिका चतुर्वेदी
- दुधारू पशुओं के प्रमुख रोग : चिकित्सा एंव रोकथाम 258-262
  – डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह
- ग्लोबल वार्मिंग : खतरे एवं रोकने के उपाय 263-268
  – डॉ0 अरविन्द कुमार
- संस्कृत साहित्य में नीतिकथाविषयक अवधारणा एवं प्राचीन कथातत्त्व 269-275
  – डॉ0 कृष्ण चन्द्र चौरसिया
- कुशीनगर जनपद में ग्रामीण विकास कार्यक्रम 276-279
  – डॉ0 ज्योत्स्ना पाण्डेय
- ईस्ट इण्डिया कम्पनी शासन के अन्तर्गत 1773 ई0 का रेग्युलेटिंग ऐक्ट 280-291
  – डॉ0 कृष्णकान्त

- पर्यावरण के चिन्ताकर्ता वेद 292–295
  – डॉ0 विनोद कुमार पाण्डेय
- समीक्षावाद और आधुनिक चित्रकला का समीक्षात्मक लेख 296–299
  – डॉ0 अमृत लाल
- पंडित दीनदयाल जी के धर्म एवं संस्कृति संबंधी विचार 300–301
  – डॉ0 राजनारायन शुक्ल
- भारत में कृषि उत्पादन के सन्दर्भ में डॉ. अम्बेडकर जी के विचारों का अध्ययन 302–306
  – डॉ0 आशा साहू
- मानवाधिकार, सामाजिक व मानवीय संवेदना के प्रणेता डॉ0 अम्बेडकर 307–311
  – डॉ0 सानन्द कुमार सिंह
- GLOBAL PRIVATIZATION 312–314
  – DR. Akhilesh Kumar
- मैथिली शरण गुप्त के काव्य में लोक मंगल भावना 315–318
  – दर्शना कुमारी
- समकालीन साहित्य चिंतन का सौन्दर्यशास्त्र 319–325
  – डॉ0 मुन्ना तिवारी
- Impact of Environmental changes on sustainable development 326–328
  – DR. P. B. Tiwary
- Indian Tourism: A Journey for Incredible India 329–333
  – DR. Vivek Kumar Pandey
- संस्कृतनाटकेषु प्राकृतक्रियासु साम्यम् 334–336
  – डॉ0 चन्द्रेश कुमार पाण्डेय
- अज्ञेय और उनकी असाध्य वीणा 337–340
  – डॉ0 सन्तोष कुमार सिंह
- भारतीय लोकतंत्र तथा गठबंधन की राजनीति 341–343
  – डॉ0 आदित्य कुमार गुप्ता
- महाकवि कालिदासकृत रघुवंश महाकाव्य में बिम्बविधानः एक विचार 344–347
  – डॉ0 आशा रानी वर्मा
- घरेलू आतंक की चुनौती : नक्सलवाद 348–351
  – जगदीश कुमार
- यूरोप तथा भारत में समाजशास्त्र : उद्भव की दशाएँ 352–358
  – डॉ0 गौरी शंकर द्विवेदी
- स्वतन्त्रता के बाद भारत में मानव अधिकार 359–363
  – सरोज कुमारी
- Role and position of Governor 364–372
  – Saroj Kumari
- स्वतंत्र भारत में महिला शिक्षा के विकास हेतु प्रयास 373–377
  – डॉ0 जेनुल आविदीन
- Arthur Miller's Plays are both Social Dramas and Tragedies 378–384
  – DR. Kirti Jain
- संस्कृत काव्य में शब्दों की निरुक्ति की आवश्यकता और महत्व 385–387
  : कालिदास के विशेष संदर्भ में
  – डॉ0 बृजमोहन शुक्ल

- CENTRAL HIMALAYAN ENVIRONMENT ASSOCIATION (NGO) AND RURAL WOMEN A STUDY WITH SPECIAL REFERENCE TO KUMAUN REGION A CASE STUDY — 388–400
  – DR. NAVAL
- Thematic framework of Rohinton Mistry's Fiction — 401–406
  – Gargi Singh
- आश्चर्य चूडामणि नाटक की विशेषतायें — 407–409
  – 1. डॉ0 कन्हैयालाल झा, 2. मारकण्डेय वर्मा
- खालिस्तान आंदोलन : पुरानी समस्या के नए आयाम (एक मूल्यांकन) — 410–415
  – प्रो.(डॉ) सतीश चन्द्र पाण्डेय
- भारतीय कृषि क्षेत्र एवं पशुपालन पर वैश्वीकरण का प्रभाव — 416–418
  – डॉ0 इन्द्र प्रताप सिंह
- भारतीय कृषि क्षेत्र पर वैश्वीकरण का प्रभाव — 419–422
  – डॉ0 अजीत कुमार सिंह
- Food Conservation in India's Biodiversity — 423–426
  - DR. Indra Pratap Singh